बोरिस ज़खोडर

लोमड़ी का निर्णय

चित्र: जी. कलिनोव्की

हिंदी: अरविन्द गुप्ता
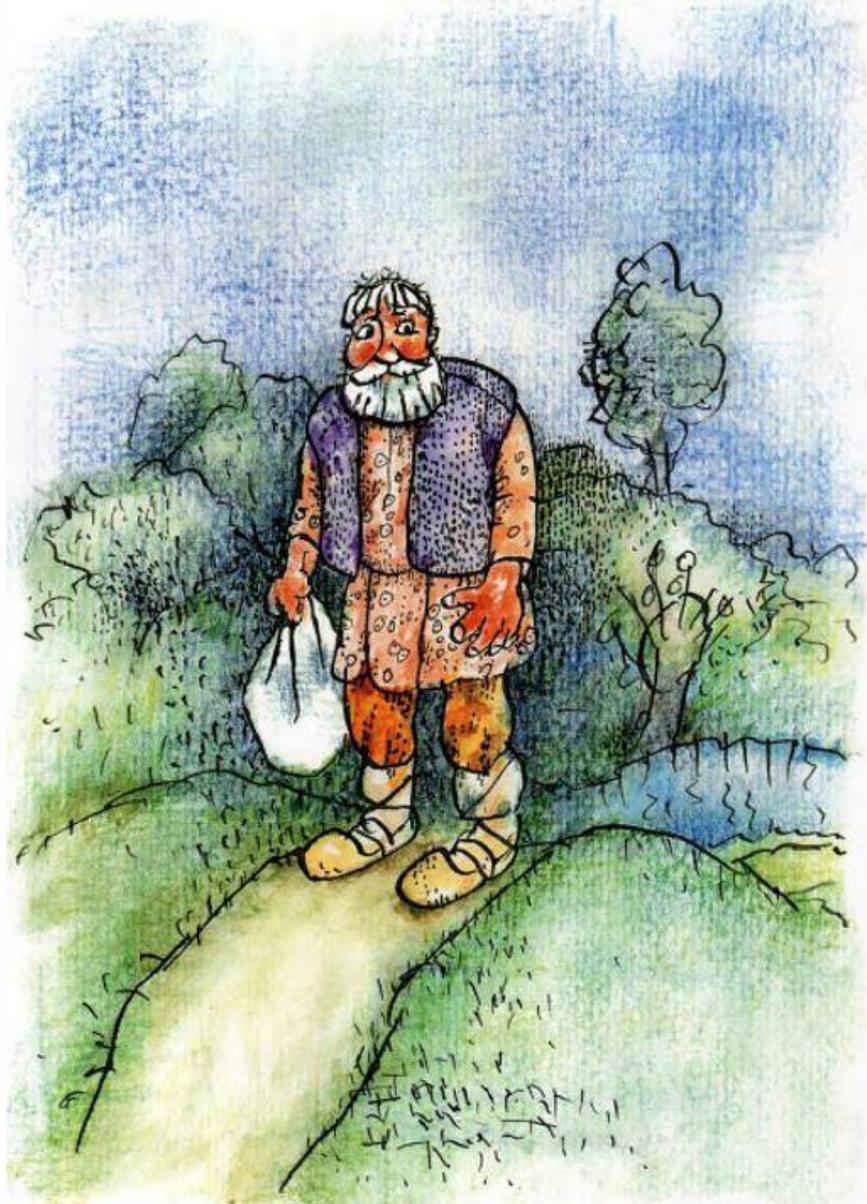
यह बहुत समय की बात है. उस समय जब जंगली जानवर बात कर सकते थे और यहाँ तक कि पेड़ भी तब कुछ शब्द बोल लेते थे.

एक किसान जंगल से गुजर रहा था जब उसने देखा कि एक बड़ा पेड़ गिर गया है और वो अपनी एक भारी शाखा के नीचे एक साँप को कुचल रहा है. साँप संघर्ष कर रहा था और छटपटा रहा था लेकिन मुक्त नहीं हो पा रहा था.

सांप ने किसान को देखा और पुकारा:

“मुझ पर दया करो, मुझे मुक्त होने में मदद करो! फिर मैं अपना आभार व्यक्त करूंगा.”

किसान को साँप पर दया आ गई और उसने शाखा उठा दी. अब साँप तो जहरीला था. जैसे ही वह आज़ाद हुआ - पश्श! - वह किसान के कंधे पर चढ़ गया, उसकी गर्दन पर लिपट गया और उसके कान में फुसफुसाने लगा:

“अब मैं तुम्हें काट डालूँगा!”

आप ज़रा सांप की कृतज्ञता तो देखें!
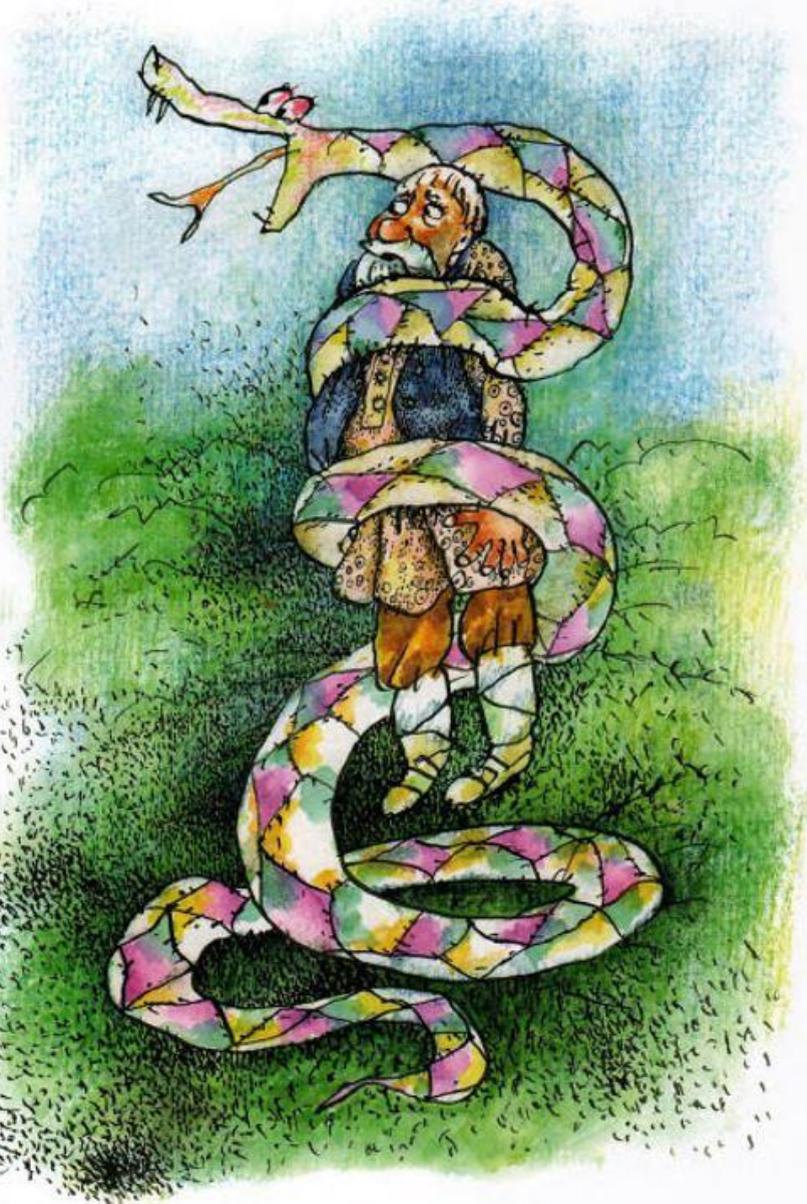
किसान ने कहा:

"तुम्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए, सांप, मैंने तुम्हें मौत से बचाया है और तुम मुझे मारना चाहते हो!"

लेकिन साँप ने केवल यही दोहराया: "मैं काटूँगा, मैं काटूँगा!"

“अरे नहीं, तुम ऐसा नहीं करोगे,” किसान ने कहा, “यह बिल्कुल गलत है और उससे काम नहीं चलेगा. चलो हम एक न्यायाधीश को खोजते हैं. वह निर्णय देगा कि हम में से कौन सही था. हम सबसे पहले जिस व्यक्ति को देखेंगे उससे ही हम पूछेंगे.''

सांप सहमत हो गया. वे जंगल में चले गए और उन्हें रेड फॉक्स मिला.

जो कुछ भी हुआ था उन्होंने वो उसे ठीक-ठीक बताया.

"हमारे न्यायाधीश बनो, रेड फॉक्स," किसान ने कहा. "और हमें निष्पक्षता से अपना सही निर्णय दो."

"ठीक है," रेड फॉक्स ने उत्तर दिया. “मैं आपका जज बनूंगा. केवल मैं आपको कोई त्वरित निर्णय नहीं दूंगा. सबसे पहले मुझे घटनास्थल पर जाकर यह देखना होगा कि वास्तव में क्या हुआ था. इसलिए पहले आप लोग उस स्थान पर वापस चलें जहां आप पहली बार एक-दूसरे से उलझे थे. वहीं पर मैं आपको अपना फैसला सुनाऊंगा.''

वे वहीं वापस गए जहां घटना शुरु हुई थी.

न्यायाधीश फॉक्स ने कहा:

"अब उन स्थानों पर वापस जाएँ जहाँ असहमति शुरू होने पर आप दोनों थे."

किसान ने शाखा उठाई, सांप वापस उसके नीचे फिसल गया जहां वह था और किसान ने तुरंत शाखा छोड़ दी जिससे सांप फिर से फंस गया.

“और अब,” जज फॉक्स ने कहा, “अब तुमसे जितना हो सके बाहर निकने की कोशिश करो सांप! यही मेरा फैसला है.”

मैं साँप के बारे में नहीं जानता, लेकिन किसान उस निर्णय से काफी संतुष्ट था.

"धन्यवाद," किसान ने कहा. "जज फॉक्स, हमारे बीच इतनी निष्पक्षता और सद्भावना से फैसला देने के लिए आपका धन्यवाद!"

रेड फॉक्स ने उत्तर दिया:

"इतनी शीघ्र नही! देखो, आप सिर्फ 'धन्यवाद' कहकर नहीं बचेंगे. अब आपको मेरे मेहनताने के लिए मुझे एक बोरी अच्छी चीजें देनी होंगी.

किसान आश्चर्यचकित रह गया.

किसान ने कहा, "हमने ऐसा कोई भी सौदा नहीं किया था."

लेकिन रेड फॉक्स अड़ा रहा : "तुम्हें देना ही पड़ेगा!"

"अच्छा, तो तुम ऐसे हो!" किसान ने सोचा. "ठीक है, बस तुम इंतज़ार करो. मैं तुम्हें सबक सिखाऊंगा."

"ठीक है," किसान ने कहा. "चलो मेरे घर वापस चलो. मैं वहां तुम्हें अच्छी चीज़ों की एक बोरी दूँगा."

किसान घर वापस गया, अपने कुत्तों को उसने एक बोरे में भरा, फिर उसे कसकर बांधा और लोमड़ी के पास ले गया.

लोमड़ी बहुत खुश हुई, क्योंकि बोरा बहुत भारी था.

"अहा," लोमड़ी ने सोचा. "किसान सच में कितना उदार है!"

लोमड़ी ने बोरी अपने कंधे पर रखी और अपनी मांद की ओर चल दी. लेकिन अंदर क्या है यह देखने की उत्सुकता में वह सड़क पर बैठ गई और उसने बोरी खोल डाली. बोरी में से कुत्ते बाहर निकले और उन्होंने लोमड़ी पर हमला कर दिया, और वे लोमड़ी की फर की खाल को फाड़ने लगे.

फिर लोमड़ी डर के मारे घर भागी और बैठकर अपनी खाल को चाटने लगी और मन ही मन बड़बड़ाने लगी: "मेरे दादाजी कभी जज नहीं थे और मेरे पिता भी कभी जज नहीं थे, फिर मैंने शैतानी में खुद जज क्यों बनी?"